

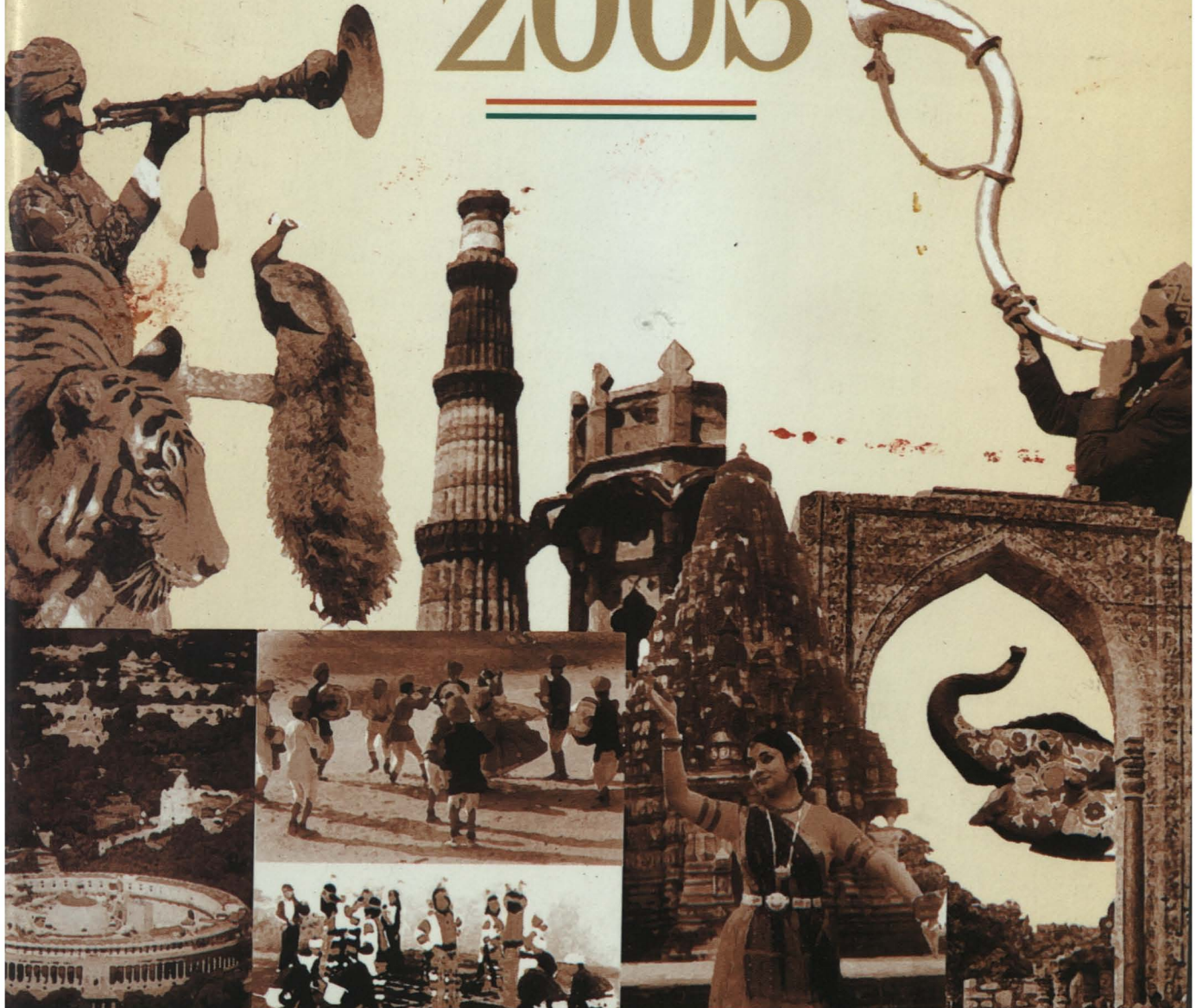


सत्यमेव जयते

(१)

सांस्कृतिक प्रस्तुति
Cultural Pageant

2003



प्रस्तावना

आज भारत गणतंत्र दिवस की 53वीं वर्षगांठ मना रहा है। गणतंत्र दिवस परेड की इस सांस्कृतिक प्रस्तुति में भारतीय सभ्यता और संस्कृति की कतिपय विशेषताओं के साथ-साथ विकास और उन्नति की दिशा में राष्ट्र की योजनाओं की झांकी प्रस्तुत की गई है।

विभिन्न रंगारंग झांकियों में भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक तथा प्रौद्योगिकीय पहलुओं का शानदार प्रदर्शन है। ये झांकियां जहां एक ओर हमारी हरी-भरी धरती की मन-मोहक सुंदरता, पुरातात्विक धरोहर, सामाजिक मूल्यों तथा विशेषकर भारत के गांवों के सादे जीवन का चित्रण करती हैं वहीं इनमें शिक्षा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, संचार, विद्युत तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में हमारे देश द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति का भी चित्रण है। इन झांकियों में दृढ़ निश्चय और देशभक्ति के भाव से परिपूर्ण राष्ट्रीय भावना का भी सुस्पष्ट चित्रण है। ये झांकियां हमारे गौरवपूर्ण अतीत के प्रति हमारे गर्व का प्रतीक हैं और हमारे गतिशील और प्रगति की ओर उन्मुख वर्तमान का समारोह हैं। इनमें उज्ज्वल भविष्य के प्रति हमारे जन-जन की अभिलाषाओं की भी अभिव्यक्ति है।

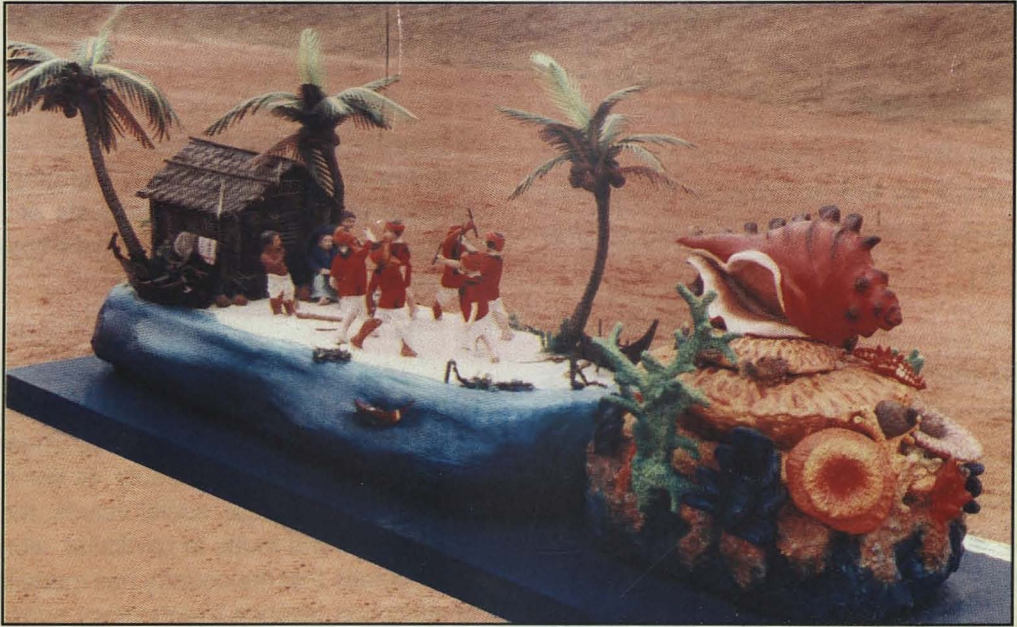
दिल्ली तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आए स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल बालसुलभ भोलेपन तथा युवकोचित उमंग का प्रदर्शन हैं वरन् भावी नागरिकों के रूप में उनके उत्तरदायित्व-बोध का भी प्रतीक हैं।

Introduction

Today India is celebrating the 53rd anniversary of the Republic Day. The cultural pageant of the Republic Day Parade presents a glimpse of some of the signposts of the Indian civilization and culture along with the Nation's plans for development and progress.

An array of colorful tableaux presents an impressive display of the social, cultural, economic and technological facets of India. These tableaux depict the captivating beauty of our landscape, architectural heritage, social values, the simplicity that marks rural India, in particular, along with the great strides that the country has made in the fields of education, science & technology, communication, power, healthcare etc. These tableaux also eloquently convey the spirit of nation, suffused with determination and patriotism. These tableaux symbolize our pride in our glorious past. They celebrate our vibrant & dynamic present. They also give a glimpse of the dreams of our people for a better tomorrow.

The presentation by the school children from Delhi and other parts of India not only bear the stamp of innocence of childhood and the freshness of youth but also their sense of responsibilities and aspirations as future citizens.



लक्षद्वीप-भूमि एवं समुद्र की लयबद्धता

लक्षद्वीप की झांकी में भूमि और समुद्र के लय और ताल का चित्रण है। लक्षद्वीप द्वीपसमूह ऐसा खजाना है जो कि अपने अस्तित्व के बाद लंबे समय तक विश्व से अलग-थलग तथा ओझल रहा है। ये द्वीप अनूठे हैं तथा अपने अंदर एक खास प्रकार के लोग, संस्कृति, लोकाचार तथा परिवेश लिए हुए हैं। लक्षद्वीप के लोगों का भोलापन तथा सादगी उनके दैनिक जीवन में झलकते हैं।

झांकी के ट्रैक्टर भाग में जलगत दृश्य दर्शाए गए हैं जिनमें रंगीन मूंगे, जल-शैल, मछलियां, नॉटिलस एवं समुद्री चट्टानें शामिल हैं। झांकी के ट्रेलर भाग में लक्षद्वीप को दर्शाया गया है जिसमें नारियल के पेड़, वनस्पति तथा वन्य-प्राणी, चमकदार बालू तथा रोजमर्रा के कार्य में लगे द्वीप के लोग दिखलाई पड़ रहे हैं। 'कोलाकाली' नृत्य से यह झलक मिलती है कि इन द्वीपों का जीवन ही उत्सव है।

लक्षद्वीप

The Rhythm of Land & Sea of Lakshadweep

The tableau of Lakshadweep depicts the rhythm of land & sea. The Lakshadweep islands are a treasure trove that has remained secure and hidden from the world for the better part of its history. These islands are unique in their existence and carry in their bosom a very special set of people, culture, ethics and environment. The innocence and simplicity of the people of Lakshadweep is reflected in their lifestyles.

The tractor portion of tableau depicts under water scene that includes the colorful corals, reef, fishes, nautilus & sea rocks. The trailer portion of tableau shows an island of Lakshadweep with coconut trees, flora & fauna, silvery sand and the people of the islands engaged in their daily chores. The dance "KOLAKKALI" reflects that life is a celebration on these islands.

Lakshadweep

भगोरिया पर्व

मध्य प्रदेश की झांकी में झाबुआ के जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले भीलों द्वारा होली के अवसर पर वर्ष में एक बार मनाए जाने वाले भगोरिया पर्व को प्रस्तुत किया गया है। इस पर्व में प्रेमी अविवाहित युवा-युवतियां अपने-अपने प्रेमी के गालों पर सिंदूर रगड़कर वर और वधु का चुनाव करते हैं। इसके बाद विवाह संबंधी व्यवस्थाएं आरंभ हो जाती हैं और जनजातीय रिवाजों के अनुसार विवाह हो जाता है।

झांकी के अग्र भाग में एक युवा पति-पत्नी को बैलगाड़ी पर सवार होकर अपने गांव लौटते दिखाया गया है। ट्रेलर भाग में एक सजी हुई गांव की हाट; भगोरिया का आनंद लेते हुए युवक तथा युवतियां तथा लकड़ी के झूले का आनंद उठाते हुए ग्रामीणों को दिखाया गया है।

मध्य प्रदेश



Bhagoria Festival

The tableau of Madhya Pradesh presents Bhagoria festival celebrated by the Bhils in the tribal areas of Jhabua once in a year on the occasion of Holi. In this festival, unmarried male and female lovers choose their brides and grooms by rubbing vermilion on the cheeks of their beloved. Thereafter, marriage arrangements begin and marriage is solemnized according to tribal customs.

The front portion of the tableau shows young couple returning to their village on bullock cart. The trailer portion, shows a decorated village haat (village market); young males and females playing Bhagoria and the villagers enjoying wooden merry-go-round.

Madhya Pradesh

हम्पी

विश्व धरोहर के सिरमौर तथा ऐतिहासिक विजयनगर साम्राज्य के राजाओं की राजधानी हम्पी अपनी तत्कालीन शानो-शौकत, उत्थान तथा पतन के खंडहरों के लिए प्रसिद्ध है। हम्पी के खंडहर इतने शानदार तथा विशालकाय हैं कि वे पर्यटक को, अवाक् और भौंचक्का कर देते हैं तथा उसे अपनी तुच्छता का अहसास कराते हैं। हाल ही में की गई खुदाइयों से 14वीं सदी के विजयनगर साम्राज्य के मंदिरों, शानदार महलों तथा प्रवेशद्वारों की अतुलनीय सुंदरता का पता लगता है।

कर्नाटक की झांकी में हम्पी के पत्थर के रथमंदिर तथा उग्र नरसिंहा की प्रतिमा, जो उस समय की भव्य वास्तुकला की द्योतक है, का चित्रण है। ट्रेलर भाग में हम्पी के कतिपय खंडहरों को दर्शाया गया है।

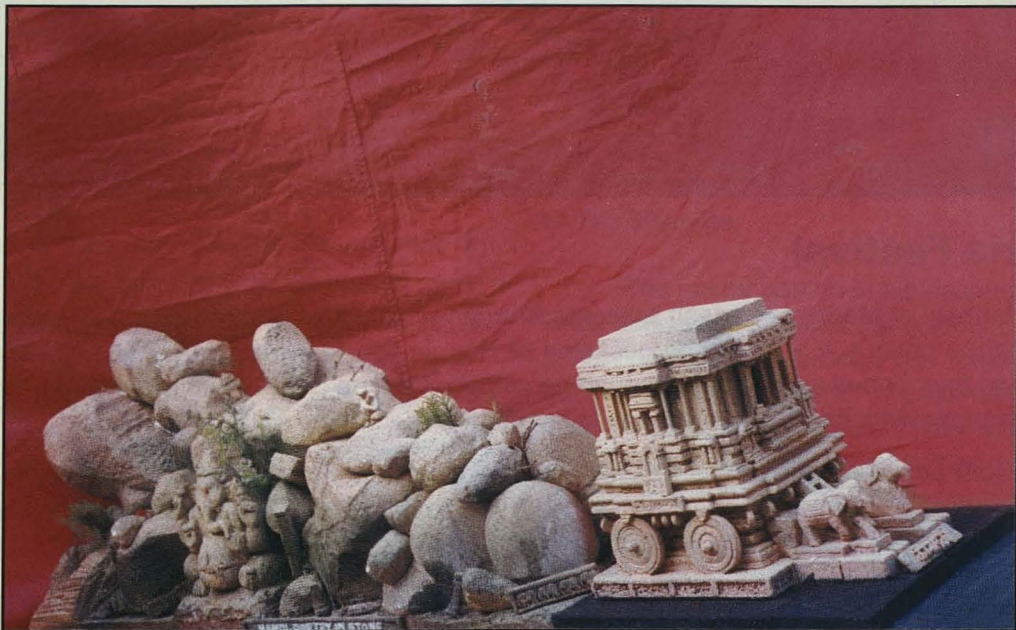
Hampi

Toast of World Heritage and the capital of the Kings of historical Vijayanagara Empire, Hampi is famous for its ruins of the bygone era of glories, triumphs and tragedies. The ruins of Hampi are so majestic and imposing that they leave the visitor, dumbfounded, awestruck and humbled. Recent excavations have unearthed the incomparable beauty of its temples, splendid palaces and gateways of 14th century Vijayanagara Empire.

The tableau of Karnataka depicts the stone of Chariot and Ugranarsimha statue which speaks about exquisite architects of the era. The trailer portion showcases some of the ruins of Hampi.

कर्नाटक

Karnataka





कश्मीर के वाद्य-यंत्र

आज के कश्मीर का संगीत विभिन्न हुकूमतों के तहत विभिन्न प्रभावों का परिणाम है। जम्मू-कश्मीर का 'सूफीयाना कलाम', जिसकी विशेषता विचारों की उदारता और सहिष्णुता है, ने भी कश्मीरी संगीत को प्रभावित किया है। कश्मीर वाद्य-यंत्रों में अति प्रसिद्ध **संतूर**, प्रख्यात शासक जेन-उल-आबदीन के शासन के दौरान शुरू किया गया था। **चक्कारी** कश्मीर के लोक संगीत का अति प्रसिद्ध रूप है।

जम्मू-कश्मीर की झांकी में कश्मीर के विभिन्न लोक वाद्य-यंत्रों को कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की पृष्ठभूमि में उसकी भव्यता में दर्शाया गया है। **रोउफ** के रूप में प्रसिद्ध सुरीले संगीत और लोक नृत्य के माध्यम से घाटी की मनोदशा भी दर्शाई गई है।

जम्मू-कश्मीर

Musical Instruments of Kashmir

The music of Kashmir, as we hear today, is the result of a curious mixture of many influences under different rules. 'Sufiana Kalam' of Jammu & Kashmir whose hallmark is a great catholicity of attitude and tolerance has also influenced the Kashmiri music. SANTOOR, the most popular of the Kashmiri musical instruments was introduced during the reign of celebrated ruler Sultan Zain-ul-Abdin. CHAKKARI is the most popular form of folk music of Kashmir.

The tableau of Jammu & Kashmir depicts various folk instruments of Kashmir in its grandeur at the backdrop of scenic beauty of Kashmir. The mood of valley is also reflected through melodious music and folk dance popularly known as **Rouff**.

Jammu & Kashmir



मेट्रो

दिल्ली की झांकी मेट्रो को प्रस्तुत करती है, जो एक नई तथा अत्याधुनिक शहरी तीव्रगामी परिवहन प्रणाली है। हाल ही में मेट्रो रेलवे के एक खंड के उद्घाटन के साथ ही दिल्लीवासियों का एक पुराना सपना सच हो गया है।

झांकी के ट्रेलर भाग में प्रदर्शित मेट्रो की ऊंचाई पर स्थित पटरियां इस सत्य को चरितार्थ करती हैं कि मेट्रो दिल्ली के जन-जीवन को अपने सामान्य पैटर्न में चलने देगी। ट्रेलर भाग में अत्याधुनिक चक्करदार गेटों तथा चूड़ीदार खंभों सहित स्वच्छ तथा चमकीला मेट्रो प्लेटफार्म भी दर्शाया गया है। इस झांकी में एक गतिशील तथा तीव्रगामी आम पारगमन प्रणाली को प्रस्तुत किया गया है जिस पर न केवल दिल्ली को अपितु देश को भी गर्व होगा।

Metro

The tableau of Delhi presents Metro – a new and sophisticated urban rapid transport system. The long cherished dream of Delhites has come true with the inauguration of a section of the Metro Railway recently.

“Elevated tracks” of the Metro depicted in the trailer portion of the tableau establish the fact that the Metro would let Delhi life flow in its normal pattern below it. The trailer also showcases the clean, bright Metro platform with sophisticated turnstiles and fluted pillars. The tableau represents a dynamic and fast-moving mass transit system that would make not only Delhi but also the nation proud.

दिल्ली

Delhi

मशरूम

हरियाणा जोकि प्रमुखतः कृषि प्रधान राज्य है, अब सब्जी उत्पादन में भी आगे बढ़ रहा है। विभिन्न नामों से पुकारा जा रहा मशरूम सदियों से भोजन का परंपरागत व्यंजन रहा है। कृत्रिम खेती से उत्पन्न मशरूम अत्यंत पौष्टिक खाद्य पदार्थ होने के कारण न केवल स्वादिष्ट और पौष्टिक खाद्य पदार्थ के रूप में वरन् अच्छी 'नकदी-फसल' के रूप में भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। हरियाणा में मशरूम की खेती से राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है।

हरियाणा की इस झांकी में राज्य में मशरूम की खेती को चित्ताकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। झांकी के ट्रैक्टर भाग में एक मशरूम का प्लेटफार्म दर्शाया गया है और किसान 'धिंंगरी' किस्म के विभिन्न आकार के मशरूमों की खेती करते दिखाई दे रहे हैं। झांकी के पिछले हिस्से में पॉलीबैगों में 'मिल्की' किस्म की मशरूम की खेती दिखाई गई है।

Mushroom

Haryana, primarily an agriculture based State is now marching ahead in vegetable cultivation. Called by various names, mushrooms are traditional food items since time immemorial. Artificially grown mushrooms are rich in nutritional food value and therefore gaining popularity not only as rich and healthy food item but also as a good '**cash crop**'. Mushroom cultivation in Haryana has helped to boost the economy of the State.

The tableau of Haryana presents an attractive portrayal of mushroom cultivation in the State. The tractor portion of the tableau presents a mushroom platform and farmers are seen cultivating 'Dhingri' variety of mushrooms of different sizes. In the rear portion of the tableau, cultivation of 'Milky' variety of mushrooms is shown in poly bags.

हरियाणा

Haryana





महा बोधि विहार — बौद्ध गया

बौद्ध गया में महाबोधि मंदिर पवित्रतम् बौद्ध तीर्थस्थल है। अशोक महान द्वारा लगभग 250 ईशा पूर्व बनवाए गए इस मंदिर की वास्तुकलात्मक विशेषता और प्रभाव उत्कृष्ट तथा भव्य है। महाबोधि मंदिर बोधि वृक्ष के पूर्व में स्थित है। वर्तमान बोधि वृक्ष संभवतः मूल वृक्ष के बाद पांचवां वृक्ष है जिसके नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

बिहार की झांकी के ट्रैक्टर भाग में भगवान बुद्ध की प्रतिमा रखी गई है। ट्रैलर भाग में विभिन्न कालों में बनवाए गए छोटे-छोटे स्तूपों से घिरा महाबोधि मंदिर और बोधि वृक्ष दिखाया गया है।

Maha Bodhi Vihar - Bodh Gaya

The Mahabodhi Temple at Bodh Gaya is the holiest of the Buddhist shrines. Built by the great King Ashoka in about 250 B.C., the architectural quality and effect of this structure is exquisite & superb. The Mahabodhi Temple stands east to the Bodhi Tree. The present Bodhi Tree is probably the fifth in succession of the original tree under which Lord Buddha had attained enlightenment.

The tractor portion of the tableau of Bihar showcases the statue of Lord Buddha, while the trailer shows Mahabodhi Temple, and Bodhi Tree surrounded by small Stupas built in different periods of time.

बिहार

Bihar

वारली चित्रकारी

महाराष्ट्र की झांकी में वारली चित्रकारी को दर्शाया गया है जो कि महाराष्ट्र में थाणे जिले के आदिवासी क्षेत्र की विशिष्ट चित्रकारी है। श्री जिव्या सोमा म्हासे, जो पेशे से किसान हैं, वारली चित्रकारी की कला के पुरोधाओं में से हैं। अब वारली चित्रकारी को देश तथा विदेश में पहचान मिल गई है और इसकी बहुत मांग है।

महाराष्ट्र की झांकी के ट्रैक्टर भाग में लकड़ी की बल्लियों से बनाई गई तथा मिट्टी से लिपाई की गई झोपड़ी दिखाई गई है। ट्रैलर भाग में वारली चित्रकारी को प्रस्तुत किया गया है, जो अपनी अकृत्रिमता में अद्वितीयता और विशिष्टता प्रदर्शित करती है। झांकी के अग्रभाग में वारलियों का 'तरपा' नृत्य दर्शाया गया है।

महाराष्ट्र

Warli Paintings

The tableau of Maharashtra depicts the Warli paintings which are typical to the tribal area of Thane District in Maharashtra. Shri Jivya Soma Mhase, a farmer by profession is one of the pioneers of the art of Warli paintings. Now Warli paintings have gained national and international recognition and are in great demand.

The tractor portion of the tableau of Maharashtra presents a hut constructed out of wooden poles and plastered with mud. The trailer portion depicts Warli paintings, which in their simplicity display its uniqueness and individuality. The front portion of the tableau shows the "Tarpa" dance of Warlis.

Maharashtra





ई-गवर्नेंस

इंटरनेट प्रौद्योगिकी उपभोक्ताओं को, अपनी पसंद के अनुसार सामग्री तथा सेवाओं तक पहुंचने और उन्हें प्राप्त करने के लिए, सशक्त बना रही है। इसके कारण सेवा-प्रदान करने वालों तथा ग्राहकों के बीच विभिन्न प्रकार के ग्राहक केंद्रित संबंध कायम हो रहे हैं। सरकार भी इस परिवेश से अछूती नहीं है। आंध्र प्रदेश सरकार ने भी ई-गवर्नेंस की एक स्कीम शुरू की है जिससे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के साधनों का जनता की सेवा हेतु उपयोग किया जा सकेगा।

आंध्र प्रदेश राज्य की झांकी में राज्य सरकार का एक साधारण, नैतिक, उत्तरदायी, संवेदनशील तथा पारदर्शी (स्मार्ट) सरकार स्थापित करने का सपना दर्शाया गया है।

आंध्र प्रदेश

E-Governance

Internet technology is empowering consumers to make personal choices on how they access and receive goods and services. This is leading to a variety of customer-centered relationship between service providers and customers. Government is no exception to this phenomena. Government of Andhra Pradesh has embarked upon a scheme of e-governance to leverage the tools of information & communication technology in serving its citizens.

The tableau of Andhra Pradesh depicts the vision of the State Government of establishing a Simple, Moral, Accountable, Responsive and Transparent government (**SMART Government**).

Andhra Pradesh

रघुराजपुर

धार्मिक नगरी पुरी के पास स्थित रघुराजपुर गांव अपनी परंपरागत चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध है, जहां की कपड़े पर रंगीन रेखीय चित्रकारी 'पटा' पेंटिंग उड़ीसा की धरोहर तथा पौराणिक कथाओं का चित्रांकन करती है। रघुराजपुर की कलात्मक रचना को मुखौटा बनाने, खिलौना बनाने, ताड़ पत्र पर चित्रकारी, लकड़ी तथा पत्थर पर खुदाई के माध्यम से अभिव्यक्ति मिलती है। इस गांव का प्रत्येक निवासी अपने आप में एक कलाकार है। उड़ीसा की प्राचीनकला, संस्कृति तथा धरोहर इस गांव द्वारा सदियों से संजोई गई परंपराओं में पूर्णता पाती है।

उड़ीसा की झांकी में रघुराजपुर को कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है।

उड़ीसा

Raghurajpur

Raghurajpur, a village close to the Pilgrim town Puri, is famous for its traditional paints that execute most colorful linear painting on cloth 'Pata' painting depicting Orissan heritage and mythology. Artistic creation of Raghurajpur finds manifestation through mask making, toy making, palm leaf engraving, wood carving, stone carving. It is a village where each villager is an artist in his own right. Orissa's pristine art, culture and heritage find fulfillments in the traditions this village has upheld since ages.

The tableau of Orissa depicts Raghurajpur as a symbol of artistic manifestations.

Orissa



खुर्जा के मिट्टी के बरतन

उत्तर प्रदेश की इस झांकी में खुर्जा के मशहूर मिट्टी के बरतन दिखाए गए हैं, जो परंपरा तथा आधुनिकता दोनों को ही दर्शाते हैं। खुर्जा के मिट्टी के बरतन के उद्योग का न केवल उत्तर प्रदेश में वरन् पूरे देश में विशिष्ट स्थान है। खुर्जा का मिट्टी के बरतन का उद्योग 500 वर्ष पुराना है। यहां बनाए जाने वाले उत्पादों में अच्छी किस्म की क्रॉकरी, कलात्मक मर्दे, मिट्टी के बरतन, पत्थर के बरतन, बोनचाइना के बरतन, विद्युत, रासायनिक पोर्सिलेन में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और हाथ की बनी कलात्मक टाइलें आदि शामिल हैं।

ट्रैक्टर भाग में सुंदर गुलदस्ते दिखाए गए हैं। झांकी के ट्रेलर भाग में खुर्जा के प्रसिद्ध नीले मिट्टी के बरतन रखे गए हैं जो मिट्टी तथा मानवीय भावों का मनोरम प्रतीक हैं। परंपरागत भारतीय मूल्यों में मंडित श्रम भाव को इस कला में कलात्मक रूप दिया गया है। मिट्टी के बरतन के इस उद्योग पर कला और दैनिक जीवन ने अमिट छाप छोड़ी है।

Khurja Pottery

The tableau of Uttar Pradesh presents the famous Khurja pottery, which reflects tradition and modernity both. The pottery industry of Khurja enjoys a very special place not only in U.P. but also in the whole country. Khurja pottery industry is about 500 years old. The products manufactured include: quality crockery, artistic items, earthenware, stone ware, bone china ware, items used in electricity, chemical porcelain, hand made artistic tiles etc.

In the tractor are shown beautiful flowerpots. The trailer portion of the tableau showcases the famous blue pottery of Khurja symbolizing beautiful representation of the soil and the human sentiments. The spirit of industry enshrined in traditional Indian values has taken an artistic form in this art. Art and life have left an indelible mark on this pottery industry.

उत्तर प्रदेश

Uttar Pradesh





नृत्य-प्रकृति और प्रगति

भारत गणराज्य के नवीनतम राज्य झारखंड की झांकी में राज्य में नई सुबह का चित्रण है। झांकी के अग्रभाग में भगवान “बिरसा मुंडा” की प्रतिमा रखी गई है, जिन्होंने स्वतंत्रता की बेदी पर अपने प्राण न्यौछावर किए।

ट्रेक्टर भाग में संथाल का पारंपरिक घर दर्शाया गया है जिसकी दीवारें ‘जादू पटिया पेंटिंग’ से रंगी गई हैं। संथाल महिलाओं को अपने खेतों पर कार्य करते हुए तथा राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य — वहां के प्राकृतिक दृश्यों, हरे-भरे खेतों, निर्मल धाराओं और हरे-भरे पर्वतों के बीच अपनी संपन्नता के लिए “अगहनी गीत” गाते हुए दिखाया गया है। मानव और प्रकृति एक हैं और वे देश के इस सुंदर भाग में समरस बने रहेंगे। इस झांकी में विकास की नई किरण दर्शाई गई है, जो झारखंड राज्य में उदय हुई है।

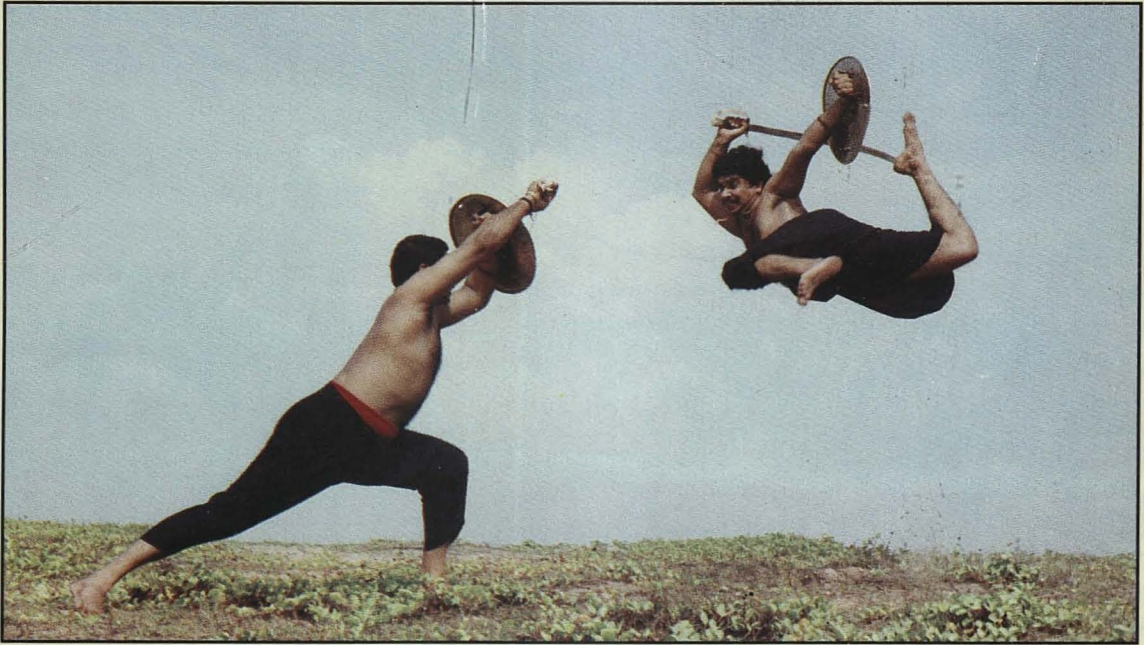
झारखंड

Dance – Nature Progress

The tableau of Jharkhand – the youngest State of the Indian Republic - presents the new dawn in the state. The front portion of the tableau showcases the statue of “Bhagwan Birsa Munda” who laid his life at the alter of freedom.

The tractor portion depicts the traditional house of Santhal whose walls have been painted with “Jadu Patia painting”. Santhal women are shown cultivating their field and singing “Agahani song” for their prosperity amidst natural beauty of the state – its landscape, lush green fields, sparkling streams and green mountains. Man and nature are one, and they will remain one in this beautiful part of the country. The tableau signifies the new ray of development, which has emerged in the State of Jharkhand.

Jharkhand



कलरियप्पायत

केरल की इस झांकी में 'कलरियप्पायत' को प्रस्तुत किया गया है जो केरल की युद्ध-कला की विरासत है। कलरियप्पायत का शाब्दिक अर्थ कला में प्राप्त निपुणता है। 'कलरी' का अर्थ है अखाड़ा तथा 'पायत' का अर्थ कौशल का परीक्षण, अभ्यास अथवा व्यवहार है। कलरियप्पायत के मुख्य घटकों में शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार सहित/बिना हथियार युद्ध, श्वसन अभ्यास, ध्यान क्रियाएं तथा विशिष्ट उपचार शामिल हैं।

झांकी के ट्रेलर भाग में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत 'वेलाकली' नामक केरल का एक अन्य युद्ध नृत्य दिखाया गया है। इस कला में, कलाकार चकित कर देने वाले शारीरिक करतब और तलवार तथा ढाल का प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि इस कला का गुरु एक पारंपरिक घर के सामने कलाकारों का प्रदर्शन देख रहा है।

केरल

Kalariappayatt

The tableau of Kerala presents 'Kalariappayatt' – the exclusive martial art legacy of Kerala. Kalariappayatt literally means acquired skill of art; "Kalari" means arena and "Payat" means skill training, exercise or practice. The main elements of Kalariappayatt include physical training, armed/unarmed combat, breathing exercise, forms of meditation and specified treatments.

The trailer portion of the tableau depicts the artists presenting another martial dance of Kerala named "Velakali". In this art, artists are performing dazzling physical feats and vigorous display of swords and shields; while the Guru of this art is seeing the performance in front of a traditional house.

Kerala

मंदिर वास्तुकला के विमान

किसी भी देश का ज्ञान और उसका चरित्र उसकी वास्तुकला में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। तमिलनाडु के मंदिरों के 'विमानों' शानदार वास्तुकला का प्रदर्शन किया गया है। आमतौर पर विमान मंदिर के गर्भगृह की छत के ढांचे को कहा जाता है। विमान के अंतर्गत गर्भगृह का पूरा ढांचा तथा उसके ऊपर खड़ी पूरी छत आ जाती है। मौजूदा प्रस्तुति में चेन्नई में वेदापालानी के वेंकिसवरम से 'विमान' को दर्शाया गया है। वेदापालानी मंदिर काफी नया है तथा मुरुकन-स्कंद के लिए प्रसिद्ध है।

तमिलनाडु

Vimanas of Temple Architect

The genius and character of a nation is unmistakably stamped on its architecture. Architectural grandeur of the 'Vimanas' of Tamil Nadu temples is shown in the tableau of Tamil Nadu. Vimanas as popularly understood is the structure forming the roof of the inner sanctum of a temple. Vimanas includes the whole structure of the inner sanctum called the 'Garbhagriha' and the roof standing on that. In the present illustration, the 'Vimana' shown is from the Venkisavaram at Vadapalani in Chennai. The Vadapalani temple is quite modern and is famous for the cut of Murukan-Skanda.

Tamil Nadu



गद्दी

हिमाचल प्रदेश की इस झांकी का विषय है 'गद्दी' — प्रदेश के ऐसे मूल निवासी जो कि कालांतर में हिमाचल प्रदेश के भटयार तथा कांगड़ा क्षेत्रों में जाकर बस गए थे। गद्दी परंपरागत रूप से चरवाहे होते हैं और उनका मुख्य पेशा है भेड़ों को पालना। झांकी के अग्रभाग में एक 'गद्दन' हिमाच्छादित पर्वतश्रेणियों के समक्ष एक मेमने को अपने हाथों में लिए हुए दिखाई दे रही है। ट्रेलर में गद्दियों को अपनी भेड़ों के झुंड तथा सामान के साथ तलहटी की घाटियों की ओर उतरते हुए दर्शाया गया है। वे गर्मियों के आरंभ में भगवान शिव के निवास स्थान मणिमहेश की ओर चढ़ते हैं।

इस झांकी में गद्दियों की परंपरागत तथा आदिम जीवन शैली के चित्रण के माध्यम से सांकेतिक रूप में संपूर्ण पर्वतीय लोगों की जीवन-शैली का चित्रण किया गया है।

हिमाचल प्रदेश



Gaddis

The theme of the tableau of Himachal Pradesh is 'Gaddis'- the original inhabitants who later migrated to Bhatyart and Kangra regions of Himachal Pradesh. Gaddis are traditional shepherds and rearing of sheep is their main vocation. The front portion of the tableau shows a 'Gaddan' holding a young one of the lamb in the backdrop of snow-clad mountains. The trailer also shows the Gaddis moving down to the foothill valley with their herd of sheep & necessities. They move upward to Manimahesh the abode of Lord Shiva at the onset of summer.

The tableau depicts the traditional and primitive life style of the Gaddis symbolizing the life style of the Hilly people as a whole.

Himachal Pradesh



गोवा — सौहार्द से सराबोर समुद्री किनारा

एकता के धागे में गुथी हुई गोवा की शानदार और रंगबिरंगी संस्कृति विभिन्न ऐतिहासिक घटनाक्रमों की देन है। धर्म हो या संस्कृति अथवा जीवन का कोई अन्य क्षेत्र, सभी क्षेत्रों में सौहार्द गोवा का पर्याय है। गोवा के प्रमुख आकर्षण हैं, इसके धूप से नहाए हुए समुद्र तट, ऐतिहासिक स्मारक, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर तथा सांस्कृतिक सौहार्द — जो कि प्रचुरता से इस तटीय प्रदेश में पाए जाते हैं।

गोवा की झांकी में चित्रित है यही सौहार्द, जो कि गोवा के जनजीवन का मूल है। तटीय गोवा परंपरागत रूप से मत्स्य अर्थव्यवस्था पर फलता-फूलता है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डोना पौला, जो कि एक महत्वपूर्ण मछली पकड़ने वाला गांव भी है, भी झांकी में दिखाया गया है। पहाड़ी की चोटी पर एक दर्शनीय स्थल 'मिरांटे' स्थित है, जहां से अरब सागर का सिंहावलोकन किया जा सकता है।

गोवा

Goa – Harmony by the Sea Side

Goa's rich and diversified culture woven into the thread of unity owes its origin to various historical influences. Harmony is synonymous with Goa whether it is religion, culture or other spheres of life. The strongest attraction that Goa offers is its sun-drenched beaches, historical monuments, rich cultural heritage & cultural harmony that flourish in the beautiful coastal state.

The tableau of Goa showcases the harmony – the essence of Goan life. Coastal Goa traditionally flourish on fish economy. Dona-Paula, the world famous tourist destination is also an important fishing village is seen on the tableau. On top of the hillock is situated the 'Mirante' – a spot to watch, from where one can have a panoramic view of Arabian Sea.

Goa

प्राकृतिक सौंदर्य तथा सांस्कृतिक विरासत

कुछ समय पहले तक उत्तर प्रदेश का एक भाग तथा नयनाभिराम पश्चिमी पर्वत श्रृंखलाओं में बसा उत्तरांचल अब एक पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आ गया है। उत्तरांचल को ऐसी हर प्रकार की प्राकृतिक सुंदरता का वरदान प्राप्त है जिसकी कल्पना की जा सकती है। उत्तरांचल की सुंदरता — हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं, कल-कल करती नदियां, प्राचीन मंदिर, पेड़-पौधे और जीव-जंतु सभी मिलकर सम्मोहित कर देती हैं। प्राकृतिक वरदान के अलावा, उत्तरांचल में पवित्र तीर्थस्थलों तथा भव्य स्मारकों, रंगारंग मेलों और त्यौहारों, लोकगीतों और नृत्यों तथा कलाओं व शिल्पों के विविध रूपों के रूप में भरपूर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जातीय विविधता भी नजर आती है।

उत्तरांचल की झांकी में प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया है। झांकी के ट्रैक्टर भाग में चंपावत का प्राचीन बालेश्वर मंदिर दर्शाया गया है, जिसे इसके वास्तुकलात्मक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। इसके ट्रेलर भाग में 'फूलदेई' त्यौहार, वृहत आकार का 'ब्रह्म कमल' और बर्फ से ढके पर्वत दिखाए गए हैं। पृष्ठभूमि में प्रसिद्ध लोकनृत्य छोलिया के साथ लोकप्रिय "बेडु पाको बारह मासा" की धुन लहरा रही है।

उत्तरांचल



Natural Beauty and Cultural Heritage

Nestled in the picturesque western Himalayan ranges, once part of Uttar Pradesh, now carved out into a distinct State of its own; Uttarakhand is blessed with natural beauty of every conceivable kind. From snowbound mountains, gushing rivers, timeless temples, luxuriant flora & fauna - the beauty of Uttarakhand conspires to cast a magical spell. Other than nature's bounty, Uttarakhand also has a rich historical, cultural & ethnic diversity reflected through its sacred shrines & magnificent monuments, vibrant fairs & festivals, folk songs & dances and varied forms of arts & crafts.

The tableau of Uttarakhand presents natural beauty and cultural heritage. Tractor part portrays the ancient Baleshwar temple at Champawat known for its architectural, cultural and historical importance. The trailer part showcases the beauty of 'FULDEI' festival, larger than life "BRAHMA KAMAL" and snow clad mountains. The ground element contains the famous folk dance Cholia playing a popular tune "Bedu Pako Barah Masaa"

Uttarakhand



असम के परंपरागत मुखौटे तथा मुख भावना

असम की परंपरागत असमिया भावना नाटकीय प्रस्तुतियों में मुखौटे की एक विशिष्ट पहचान है, जो 15वीं शताब्दी से चली आ रही है।

इस झांकी में असम के परंपरागत मुखौटों और मुखभावना का चित्रांकन है। झांकी के ट्रैक्टर पर जटायु-रामायण महाकाव्य में वर्णित पक्षी तथा ट्रेलर पर एक परंपरागत 'मुख भावना' का चित्रण है। झांकी की पृष्ठभूमि में कलाकार 'खोल' (ढोल) के स्वर तथा 'ताल' (मंजीरा) की लय में तन्मय होकर इन मुखौटों को जीवंत कर रहे हैं।

Traditional Masks of Assam and Mukha Bhaona

In the traditional dramatic performance of Assam, the Assamese Bhaona, masks form a striking feature, which was introduced in the fifteenth century.

The tableau depicts the traditional masks of Assam and a Mukha Bhaona performance. On the tractor is the mask of Jatayu- the bird character figuring in the epic Ramayana, and a traditional "Mukha Bhaona" performance on the trailer. On the background of the tableau, the actors give animation to the masks to the rhythmic beating of 'Khol' (Drum) and clapping of 'Tal' (cymbals).

असम

Assam

फुलकारी

21

‘फुलकारी’ जिसका शाब्दिक अर्थ है फूलों की कढ़ाई, पंजाब की अत्याधिक लोकप्रिय लोक कला है। यह अपनी चित्ताकर्षक शिल्पकला तथा लालित्य के लिए प्रसिद्ध है। यह डिजाइन कार्य महिलाओं की ओढ़नी, दुपट्टों पर रेशम के धागे से महिला कलाकारों द्वारा किया जाता है। हजारों महिलाएं इस दस्तकारी में लगी हुई हैं।

पंजाब की झांकी में यह दस्तकारी दर्शाई गई है। ट्रैक्टर भाग में एक दुल्हन सिर पर फुलकारी ओढ़े परम्परागत पीढ़े पर बैठी हुई है। ट्रैलर भाग में लड़कियां ‘गिद्धा’ नृत्य करती दिखाई दे रही हैं।

पंजाब



Phulkari

‘Phulkari’, literary means flower working is an extremely popular folk art of Punjab. It is known for its exquisite craftsmanship and elegance practiced by women artisans for women’s Odheni, Duppatta (head cover) with silken thread and making design on them. Thousands of women are engaged in this handicraft.

The tableau of Punjab shows this handicraft. In the tractor portion, a bride is seen sitting in traditional peedha putting Phulkari on her head. The trailer portion shows girls performing ‘Giddha’ dance.

Punjab

पंचतंत्र की कहानी

केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत फूलों की झांकी पंचतंत्र की एक कहानी—“चतुर खरगोश” को चित्रित करती है।

मुख्य कहानी का चित्रण झांकी के पिछले भाग पर किया गया है, जहां पर जंगल के राजा शेर के समक्ष जंगल के सभी प्राणी भयभीत अवस्था में एकत्रित होकर इस बात पर सहमत होते हैं कि उसके भोजन के लिए रोजाना एक प्राणी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद बारी-बारी से एक प्राणी रोज शेर के भोजन के लिए आता रहा। एक दिन शेर के पास जाने की खरगोश की बारी थी। तथापि, खरगोश ने अपनी बुद्धि और चतुराई से शेर को कुएं का रास्ता दिखा दिया, जिसे ट्रैक्टर पर दर्शाया गया है। इस प्रकार पंचतंत्र की कहानी यह संदेश देती है कि बुद्धिमत्ता, चतुराई और धैर्य से अत्यधिक कठिन समस्या का भी समाधान किया जा सकता है।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग

Story from Panch Tantra

The floral tableau of the Central Public Works Department (C.P.W.D.) presents one of the stories of Panch Tantra – “CHATUR KHARGOSH” (The Clever Rabbit).

The main story is depicted at the back of tableau, where all the animals of the forests assembled before the lion in terrified condition and reached to an agreement that one animal will be made available for his feast everyday. Thereafter, everyday one animal by turn presented himself to the lion for his feast. One day, a rabbit was to turn up before the lion. However, due to his sheer wit and intelligence, the rabbit showed the lion the way of well, this is depicted at the tractor. Thus Panchtantra story conveys the message that with wisdom, intelligence and patience, the most difficult problem can be solved.

Central Public Works
Department





अजंता और एलोरा

पर्यटन विभाग ने देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास तथा रखरखाव का महती कार्य हाथ में लिया है। पर्यटन विभाग की इस झांकी में अजंता तथा एलोरा की गुफाएं दर्शाई गई हैं जो कि विश्व धरोहर स्थल हैं। अपनी शानदार नक्काशियों, भित्तिचित्रों तथा वास्तुकला के कारण अत्यंत आकर्षक ये गुफाएं भारत में प्रमुख पर्यटक आकर्षण हैं। इन गुफाओं को फाइबर ऑप्टिक प्रकाश व्यवस्था करके सुधारा गया है। जिससे ये कलाकृतियां और अधिक स्पष्ट रूप से नजर आती हैं।

ट्रेक्टर भाग में अजंता की गुफा संख्या 19 में स्थित स्तूप तथा ध्यानस्थ बुद्ध की प्रतिकृति है। प्रथम ट्रेलर में अजंता का एक दृश्य चित्रित है और दूसरे में एलोरा की एक गुफा को दर्शाया गया है।

Ajanta and Ellora

The Department of Tourism has taken up the Herculean task of developing and preserving major tourist destinations in the country. Through their tableau, the Department of Tourism showcases the caves of Ajanta & Ellora, which rank among the World Heritage Sites. The breathtaking caves with their remarkable carvings, paintings and architecture constitute one of the major tourist attractions in India. These caves have been restored with an addition of fiber optic lighting that makes the works of art more clearly visible.

In the tractor portion, replica of Stupa and sitting Buddha in the Cave no. 19 of Ajanta is seen. In the 1st Trailer, a scene from Ajanta is depicted. A cave from Ellora is shown in 2nd Trailer.

पर्यटन विभाग (भा.प.वि.नि.)

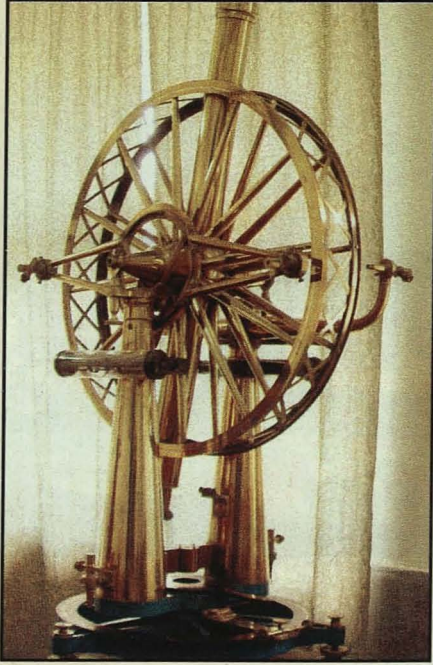
Department of Tourism (I.T.D.C.)

Great Arc

The origin of Survey of India, the premier mapping agency of the Nation dates back to 1767. It has now grown into a giant organization providing a comprehensive range of services to meet the geo-spatial needs of the country.

The tableau of Survey of India presents the Great Arc of the meridian – the largest measurement of the earth's surface ever to have been attempted. The Great Arc, made possible the accurate mapping of the country. Survey of India is now a pivotal information provider for varied applications viz. disaster preparedness, natural resources management, infrastructure development, urban development, industrial and business geographic. India is amongst the few countries of the World having the complete mapping cover of its landmass.

Survey of India

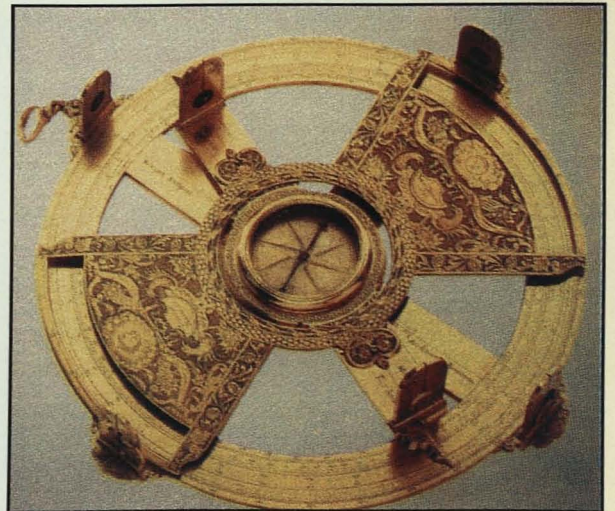


वृहत् चाप

देश की प्रमुख मानचित्र एजेंसी भारतीय सर्वेक्षण विभाग का सूत्रपात 1767 में हुआ। अब यह एक विशाल संगठन हो गया है तथा देश की भू-आकाशीय जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराता है।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग की झांकी में वृहत् मध्यांतर चाप-आज तक किए गए प्रयासों में पृथ्वी के धरातल का सबसे लंबा माप, प्रस्तुत किया गया है। इस वृहत् चाप से देश का सटीक मानचित्रीकरण संभव हो सका है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग अब आपदा तैयारी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, अवसंरचनात्मक ढांचा विकास, शहरी विकास, औद्योगिक तथा व्यवसायिक भूस्थिति जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने की प्रमुख एजेंसी है। भारत दुनिया के उन कुछ देशों में है जिनके पास अपनी भू-संपदा का संपूर्ण मानचित्र उपलब्ध है।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग





खाद्य प्रसंस्करण-मूल्य संवर्धन

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की झांकी का विषय मूल्य संवर्धन है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा परेड में पहली बार भाग लिया जा रहा है। इस झांकी में आहार मूल्य संवर्धन श्रृंखला के तीन मुख्य घटकों अर्थात् कच्चा माल, प्रसंस्करण तथा अंतिम उत्पाद का चित्रण किया गया है।

झांकी के प्रथम भाग में फल, सब्जी, दूध, मांस, मछली एवं मुर्गे के रूप में देश के विशाल तथा पौष्टिक कच्चे माल भंडार को दर्शाया गया है। दूसरे भाग में सफाई, छंटाई, प्रसंस्करण तथा पैकेज जैसे मूल्य संवर्धन कार्यों को दर्शाता खाद्य प्रसंस्करण मॉडल दिखाया गया है। तीसरे भाग में विभिन्न प्रसंसाधित खाद्य उत्पादों को दिखाया गया है। बराबर वाले पेनल पर विभिन्न प्रकार के कच्चे माल को दर्शाने वाले टेराकोटा के भित्ति चित्र प्रस्तुत किए गए हैं।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

Food Processing - Value Added Proposition

The theme of the tableau of Ministry of Food Processing Industries is a value added proposition. This is the maiden participation by the Ministry of Food Processing Industries in the Parade. The tableau depicts the three major components of the food value chain i.e. raw materials, processing and finished products.

The first section of the tableau highlights the vast and rich raw material base of the country in terms of fruits and vegetables, milk, meat, fish & poultry. The second section shows the food-processing model showing value added activities such as cleaning, sorting, processing and packaging. Wide ranges of processed food products are depicted in the third section. The side panel consists of terracotta murals exhibiting a variety of raw materials.

Ministry of Food Processing Industries

माल परिवहन

भारतीय रेल ने आम आदमी के लिए परिवहन के साधन के रूप में, देश की आर्थिक गतिविधि के रूप में, औद्योगिक उन्नति के साधन के रूप में, देश के विभिन्न भागों को जोड़ने के लोकप्रिय माध्यम तथा देश की रक्षा में सहयोगी के रूप में, हमारे देश की जीवनचर्या में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आज लगभग 6000 माल गाड़ियां रोजाना दौड़ती हैं तथा रोजाना 1.3 मिलियन टन माल ढोती हैं।

रेल मंत्रालय की झांकी में भारतीय रेल को 150 वर्ष से राष्ट्र की सेवा में तत्पर दर्शाया गया है। झांकी के अगले हिस्से में सिगनल लालटेन को हाथ में लिए हुए 'भोलू' — भारतीय रेल की 150वीं वर्षगांठ से संबंधित समारोह के लिए भारतीय रेल के शुभंकर गार्ड—को देखा जा सकता है। झांकी के ट्रैक्टर भाग में भारतीय रेल द्वारा ढुलाई किए जा रहे विभिन्न प्रकार के माल को दर्शाया गया है।

रेल मंत्रालय

Freight Traffic

As the principal mode of transport for the common man, Indian Railways has also played an outstanding role and Railways have also played a significant role in the life of the nation, as an economic lifeline of the nation, as an instrument of industrial development, as a popular mode of connecting various regions of the country and also in the defence of the country. Today, about 6000 freight trains run everyday, carrying 1.3 million tones of freight per day.

The tableau of the Ministry of Railways depicts the Indian railways — in the service of Nation since 150 years. 'BHOLU' — the mascot Guard of the Indian Railways for the 150th year celebrations — is seen on the front portion of the tableau carrying the signal lantern. The tractor portion of the tableau shows the various types of freight transported by the Railways.

Ministry of Railways





पन बिजली-स्वच्छ बिजली

विद्युत शक्ति की उपलब्धता किसी भी देश की प्रगति तथा संपन्नता का द्योतक है। पर्यावरण अनुकूल बिजली उत्पादन के क्षेत्र में, नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड अग्रणी है तथा इसने पनबिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रकृति एवं परिवेश को नुकसान पहुंचाए बिना बिजली उत्पादन के लिए प्रकृति की क्षमताओं का दोहन करने में विश्वास रखता है। नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की झांकी में “पन बिजली-स्वच्छ बिजली” को चित्रित किया गया है। झांकी के ट्रैक्टर भाग में विद्युत उत्पादन तथा वितरण के महत्वपूर्ण पहलुओं का चित्रण है। नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड नदियों के प्राकृतिक बहाव को नया रूप देता है, इन्हें नवीनतम विधि से मोड़ देता है, मानव परिवेश को जगमगाने के लिए विद्युत पैदा करता है तथा मानव प्रयासों को सार्थक, सम्पन्न और आनंददायक बनाता है।

**विद्युत मंत्रालय (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक
पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड)**

Hydro Power – Clean Power

Availability of electric power is a symbol of progress and prosperity of a nation. In the sphere of eco-friendly power production, National Hydroelectric Power Corporation Limited (NHPC) is a forerunner and has played a significant role in producing the hydropower. NHPC believe in harnessing the potential of the nature for power generation without harming nature & the environment.

The tableau of NHPC presents the Hydropower – clean power. The tractor portion of the tableau presents important features of power generation and distribution. The NHPC reshapes the natural flow of rivers, divert the same through innovative process, generate electricity to enlighten the human environment and make human endeavours fruitful, resourceful and enjoyable.

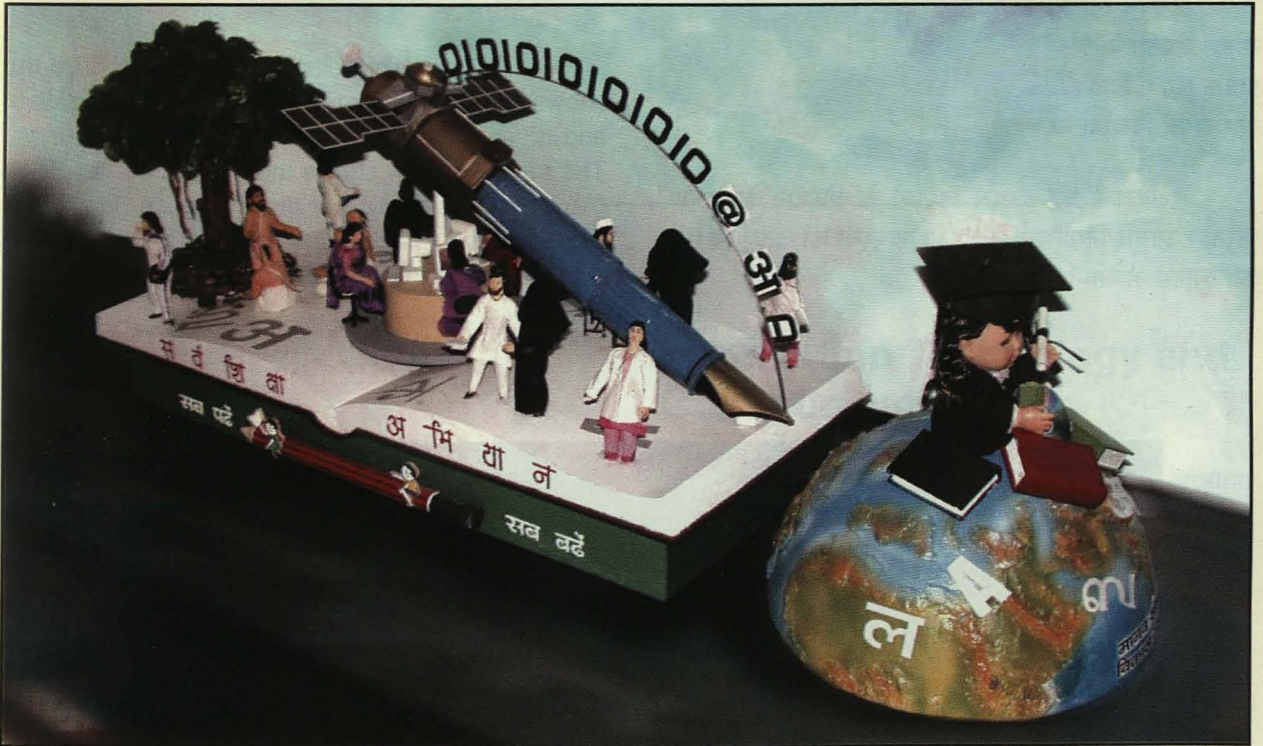
Ministry of Power (N.H.P.C.)

शिक्षा में प्रगति

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की झांकी में बच्चों से लेकर युवाओं तक तथा समाज के सभी वर्गों तक "सभी" के लिए शिक्षा का विस्तार करने के भारत सरकार के प्रयास को दर्शाया गया है। विभिन्न सरकार-प्रायोजित स्कीमों और गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका से विविध प्रचार माध्यमों के उपयोग के द्वारा शिक्षा के प्रसार के प्रयासों में सहायता मिली है।

झांकी के ट्रेलर भाग में 'सर्व शिक्षा अभियान' दर्शाया गया है। इस झांकी में शिक्षा में प्रगति के माध्यम से सभी के लिए शिक्षा को यथार्थ रूप देने के सरकार के प्रयासों को दर्शाया गया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय



Strides in Education

The tableau of Ministry of Human Resource Development shows the Government of India's effort to spread education to "All" from children to adults and all sections of society. The use of diverse media has supported the efforts of spreading education through various government-sponsored schemes, as well as the role of NGOs.

The trailer portion of the tableau depicts Government's 'Sarv Shiksha Abhiyan'. The tableau brings out the efforts of the government to make education for all a reality through the strides in education.

Ministry of Human Resource Development

रक्षा प्रयासों में तालमेल

भारतीय आयुध निर्माणियों के पास रक्षा उत्पादन में 200 वर्षों के अनुभव की विशिष्टता है तथा इन्होंने धीरे-धीरे परिष्कृत और अत्याधुनिक स्तर प्राप्त कर लिया है। हमारी आयुध निर्माणियों को सशस्त्र बलों को रक्षा उपस्कर, शस्त्रास्त्र तथा गोलाबारूद मुहैया करवाने का दायित्व सौंपा गया है। इन निर्माणियों में काफी मात्रा में भूमि, समुद्र और वायु आधारित रक्षा उत्पादों का विनिर्माण किया जाता है।

आयुध निर्माणी बोर्ड की झांकी में विगत दो शताब्दियों से इस संगठन के विकास तथा देश के लिए उसकी सेवाओं को प्रतीक रूप में दिखाया गया है। ट्रैक्टर भाग में अत्याधुनिक ई एस आर संयंत्र दिखाया गया है।

रक्षा बलों को आयुध निर्माणी के योगदान के कारण भारतीय आयुध निर्माणियों ने “रक्षा व्यवस्था का चतुर्थ स्तंभ” का उपनाम अर्जित किया है।

रक्षा मंत्रालय

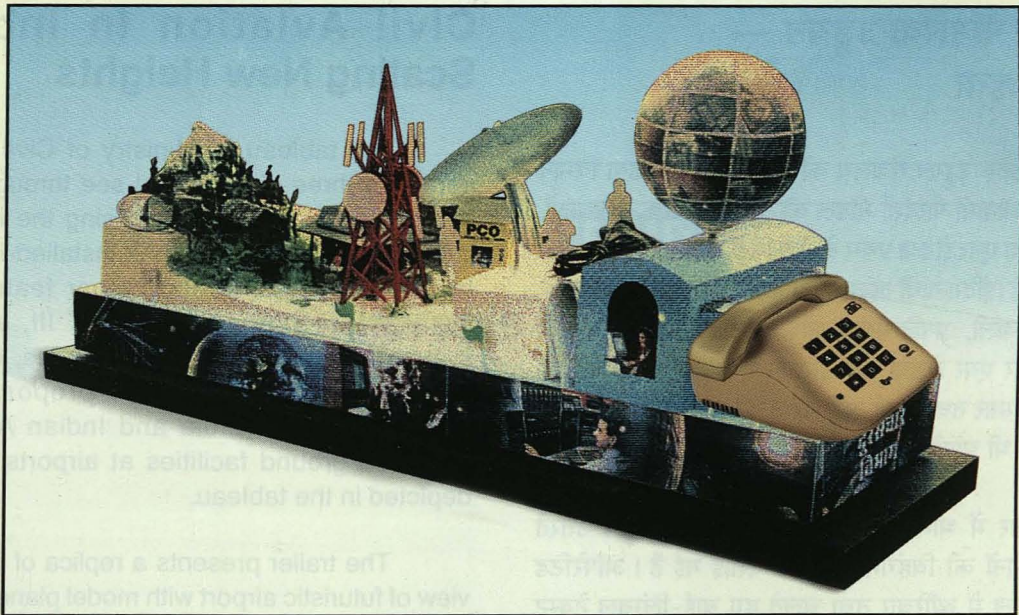
Synergy of Defence Efforts

The Indian Ordnance Factories (IOF) possesses a unique distinction of 200 years' experience in defence production and has over the years grown to a level of sophistication and modernisation. Our ordnance factories are tasked with the responsibility of providing defence equipments, arms and ammunitions to our armed forces. A wide range of land, sea, and air based defence products are manufactured in these factories.

The tableau of Indian Ordnance Factory Board shows in symbolic form the growth of organization and its services to the nation for the last two centuries. The tractor portion shows the state-of-the-art ESR plant. The contribution of the Ordnance Factory to the Defence Forces has earned the IOFs the sobriquet “Fourth Arm of Defence”.

Ministry of Defence





सूचना प्रौद्योगिकी और संचार

लगभग 40 मिलियन प्राथमिक टेलिफोनों तथा 10 मिलियन से भी अधिक मोबाइल टेलिफोनों वाला भारतीय टेलिफोन नेटवर्क दुनिया का छठा सबसे बड़ा नेटवर्क है तथा यह क्रांति की दहलीज पर है। दूर संचार क्षेत्र में उन्नति से अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला है जोकि सकल घरेलू उत्पाद में परिलक्षित होता है।

झांकी में दूर संचार को जनता की सेवा में तत्पर दिखाया गया है जिसमें देश की भावी प्रगति तथा समृद्धि का वायदा है। झांकी के ट्रैक्टर भाग में घूमता ग्लोब संचार के वैश्विक कवरेज का चित्रण करता है। ट्रैलर भाग में कारगिल, पूर्वोत्तर जैसे भौगोलिक क्षेत्रों तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को इंटरनेट ढाबा, इंटरनेट टेलिफोनी, सेटेलाइट संचार, वायरलैस इन लोकल लूप जैसी दूर संचार सेवाओं का इस्तेमाल करते हुए प्रसन्नचित चेहरों को दिखाया गया है।

दूर संचार विभाग

Information Technology and Communication

The Indian telephone network with around 40 million basic telephones and more than 10 million mobile telephones, is the 6th largest network of the World and is today on the threshold of a revolution. The growth in the telecommunication sector has boosted the economy, which is reflected in the GDP.

The tableau depicts the telecommunication in the service of the people and promises future progress and prosperity of the nation. The revolving Globe in the tractor portion of the tableau depicts the global coverage of communication. Happy faces using the telecom services like Internet Dhaba, Internet Telephony, Satellite Communications, Wireless in Local Loop etc. throughout the diverse terrain like Kargil, Northeast and also from village to urban areas are shown in the trailer portion.

Department of Telecommunication

भारत में नागरिक उड्डयन — नई ऊंचाइयां

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की झांकी में एयर इंडिया विमान के एक त्रि-आयामी पारदर्शी मॉडल को उन्नत आंतरिक सुविधाओं, फ्लैट बेड तथा एयर इंडिया प्रथम श्रेणी केबिनों में लगे डीवीडी सहित दर्शाया गया है। इंदिरा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्नत सीएटी-III लैंडिंग प्रणाली, प्रगति संबंधी आंकड़े सटीक समय पर प्रचालन में सुधार और एयर इंडिया और इंडियन एयर लाईन्स के बेड़े का प्रस्तावित विस्तार तथा हवाई अड्डों पर उन्नत जमीनी सुविधाएं जैसे पहलुओं को भी झांकी में चित्रित किया गया है।

ट्रेलर में भावी हवाई अड्डों पर धुंध के दौरान उतरते मॉडल विमानों की विहंगम प्रतिकृति दर्शाई गई है। ऑपरेटिड एलईडी पेनल में ब्यौरेवार तथा चलते हुए बाई-लिंग्वल टेक्स्ट को दर्शाया गया है। पार्श्वभाग में एक फ्लैट स्क्रीन प्लाज्मा मॉनिटर हवाई अड्डों पर बेहतर सुविधाओं की झलक के साथ दिखाया गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय

Civil Aviation in India – Scaling New Heights

The tableau of Ministry of Civil Aviation depicts a three-dimensional see through model of an Air India plane showcasing the improved interiors, flat beds and DVD installed in the Air India First Class Cabins, other features like installation of the advance CAT III, a landing system at IGI Airport, growth figures, improved on time performance and proposed fleet expansion of Air India and Indian Airlines – improved ground facilities at airports are also depicted in the tableau.

The trailer presents a replica of bird's eye view of futuristic airport with model planes landing in foggy conditions. Operated LED panels depict graphically and running bi-lingual text. A flat Screen Plasma monitor on the sides feature vignettes of the improved facilities at the airports.

Ministry of Civil Aviation



32

बच्चों की प्रस्तुति Children's Pageant



राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार, 2002 के विजेता बच्चे

नामराज्य

कुमारी गुड्डीबेन कालूभाई मशार*	गुजरात
मास्टर चंदन पासवान उर्फ पिंटू**	उत्तर प्रदेश
कुमारी स्वीटी पांडे***	उत्तर प्रदेश
मास्टर रिकू बर्मन***	मध्य प्रदेश
कुमार धनंजय रामराव इंगोले***	महाराष्ट्र
मास्टर खांगेमबन पृथी सिंह	मणिपुर
कुमारी श्रेष्ठि अमृत गोरुले	महाराष्ट्र
कुमारी स्वपनलि हरीशचंद्र घाग	महाराष्ट्र
मास्टर अपराजित सिंह	छत्तीसगढ़
कुमारी रुकैया बेगम	छत्तीसगढ़
मास्टर बालकृष्ण उपाध्याय	राजस्थान
कुमारी शांभवी राय	उत्तर प्रदेश
मास्टर अब्दुल रज्जाक सी.एम.	केरल
कुमारी मुम्ताज टी.एम.	केरल
कुमारी निक्की मारिया जैकब	केरल
कुमारी जेस्सम्मा जॉर्ज	केरल
मास्टर अशोक कुमार चौधरी	उत्तर प्रदेश
कुमारी चारु शर्मा	महाराष्ट्र
मास्टर चिन्मय शर्मा	महाराष्ट्र
मास्टर यू.पी. नसीर खान	लक्ष्यद्वीप
मास्टर जस्टिन के. टॉम	केरल

* गीता चोपड़ा पुरस्कार

** संजय चोपड़ा पुरस्कार

*** बापू गयाधानी पुरस्कार

Winners of National Award for Bravery-2002

Name

State

Kum. Guddiben Kalubhai Mashar*	Gujarat
Master Chandan Paswan Alias Pintu**	Uttar Pradesh
Km. Sweety Pandey***	Uttar Pradesh
Master Rinku Barman***	Madhya Pradesh
Kumar Dhananjay Ramrao Ingole***	Maharashtra
Master Khangemban Prithi Singh	Manipur
Km. Shresthi Amrit Gorule	Maharashtra
Km. Swapnali Harishchandra Ghag	Maharashtra
Master Aparajit Singh	Chattisgarh
Km. Rukaiya Begum	Chattisgarh
Master Balkrishna Upadhyaya	Rajasthan
Km. Shambhavi Ray	Uttar Pradesh
Master Abdul Razak C.M.	Kerala
Km. Mumthaz T.M.	Kerala
Km. Nikky Maria Jacob	Kerala
Km. Jessamma George	Kerala
Master Ashok Kumar Choudhary	Uttar Pradesh
Km. Charu Sharma	Maharashtra
Master Chinmay Sharma	Maharashtra
Master U.P. Naseer Khan	Lakshadweep
Master Justin K. Tom	Kerala

* Geeta Chopra Award

** Sanjay Chopra Award

*** Bapu Gayadhani Award

स्कूली बालिकाओं का बैंड

स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झांकी दिल्ली के सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों: श्री गुरु तेग बहादुर कन्या विद्यालय, शीश गंज; गुरु नानक कन्या विद्यालय, सब्जी मण्डी, घन्टाघर; दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार तथा न्यू ग्रीन फील्ड स्कूल, साकेत की बालिकाओं के बैंड के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। यह बैंड श्री चांद किशोर शर्मा, बैंड मास्टर द्वारा रचित 'स्वाति' धुन बजा रहा है।

ध्वज वाहक-बालिकाएं

बालिकाओं के इस मार्च पास्ट में दिल्ली के सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों: सर्वोदय कन्या विद्यालय, समालखा; सर्वोदय कन्या विद्यालय, महिपालपुर; राजकीय कन्या विद्यालय, सेक्टर-5, डॉ. अम्बेडकर नगर; सर्वोदय कन्या विद्यालय, नागलोई; विक्टोरिया कन्या विद्यालय, राजपुर रोड; सलवान कन्या विद्यालय, राजेन्द्र नगर; गरीबराम मेमोरियल विद्यालय, निलोटी मोड़; क्वीन मेरी स्कूल, तीस हजारी; दीप पब्लिक स्कूल, वसंतकुंज; सेंट मार्ग्रेट स्कूल, रोहिणी की बालिकाएं शामिल हैं।

ध्वज वाहक-बालक

बालकों के मार्च पास्ट में दिल्ली के सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों: राजकीय वरिष्ठ विद्यालय, मानसरोवर गार्डन; जैन संस्कृत बाल विद्यालय, कूंचा सेठ; कमर्शियल बाल विद्यालय, दरिया गंज; मदर डिवाइन स्कूल, रोहिणी; दीप पब्लिक स्कूल, वसंत कुंज; दशमेश वरिष्ठ विद्यालय, विवेक विहार; गरीब राम मेमोरियल विद्यालय, निलोटी मोड़; रेनबो इंग्लिस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जनकपुरी तथा सलवान बाल विद्यालय, राजेन्द्र नगर के बच्चे शामिल हैं।

स्कूली बच्चों का बैंड

बैंड बजाते आगे बढ़ रहे ये बालक दिल्ली के जैन समनोपासक विद्यालय, सदर बाजार; एस.एम.जैन विद्यालय, कमला नगर; महाराज अग्रसेन विद्यालय, अशोक विहार; रयान इंटरनेशनल स्कूल, रोहिणी; विवेकानन्द विद्यालय, आनन्द विहार; बाल मंदिर विद्यालय, कैलाशनगर तथा डी.ए.वी. विद्यालय, श्रेष्ठविहार से हैं। जैन समनोपासक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बैंड मास्टर श्री सुशील कुमार शर्मा इस बैंड का नेतृत्व कर रहे हैं तथा उनके द्वारा रचित 'भारत के सपूत' नामक धुन बजा रहे हैं।

Band By School Girls

The cultural pageant of school children is heralded by a band of girls drawn from Government aided Schools in Delhi: Shri Guru Teg Bahadur Kanya Vidyalaya, Sis Ganj; Guru Nanak Kanya Vidyalaya, Subzi Mandi Ghantaghar; Dashmesh Public School, Vivek Vihar and New Green Field School, Saket. The band is playing the tune 'Swati' composed by Shri Chand Kishore Sharma, Band Master.

Flag Bearers – Girls

Children participating in the March Past of girls are drawn from Government & Government aided Schools in Delhi: Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Samalakha; Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Mahipalpur; Rajkiya Kanya Vidyalaya, Sector-5, Dr. Ambedkar Nagar; Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Nangloi; Victoria Kanya Vidyalaya, Raj Pur Road; Salwan Kanya Vidyalaya, Rajendra Nagar; Garib Ram Memorial Vidyalaya, Niloti Mor; Queen Mary School, Tis Hazari; Deep Public School, Vasant Kunj and Saint Margrate School, Rohini.

Flag Bearers – Boys

Children Participating in the March Past of boys are drawn from the Government & Government aided Schools in Delhi: Rajkiya Varisth Vidyalaya, Man Sarovar Garden; Jain Sanskrit Bal Vidyalaya, Kucha Seth; Commercial Bal Vidyalaya, Darya Ganj; Mother Divine School, Rohini; Deep Public School, Vasant Kunj; Deshmeh Varisht Vidyalaya, Vivek Vihar; Garib Ram Memorial Vidyalaya, Niloti Mor; Rainbow English Senior Secondary School, Janakpuri and Salwan Bal Vidyalaya, Rajender Nagar.

Band by School Boys

The band of boys is drawn from the Schools in Delhi: Jain Samnopasak Vidyalaya, Sadar Bazar; S.M. Jain Vidyalaya, Kamla Nagar; Maharaja Agarsen Vidyalaya, Ashok Vihar; Ryan International School, Rohini; Vivekanand Vidyalaya, Anand Vihar; Bal Mandir Vidyalaya, Kailash Nagar and D.A.V. Vidyalaya, Shreshtha Vihar. The band is led by Shri Sushil Kumar Sharma, Band Master, Jain Samnopasak Vidyalaya and the tune being played i.e. 'Bharat Ke Sapoot' is also composed by Shri Sushil Kumar Sharma, Band Master.

अनेकता में एकता

अनेकता में एकता भारत में केवल एक नारा ही नहीं बल्कि यह हमारी जीवन पद्धति है। हम अलग-अलग क्षेत्रों में रहते हैं, अलग-अलग धर्म अपनाते हैं, अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं फिर भी हमारे मेले, त्योहार, धार्मिक कृत्य तथा अनुष्ठान, जिनको हम एक साथ मनाते हैं, के माध्यम से स्पष्ट स्वर में यह संदेश देते हैं कि हम अपने देश भारत से प्यार करते हैं। रयान इंटरनेशनल स्कूल, कोंडली के छात्रों की प्रस्तुति का मूल स्वर है अनेकता में एकता।

राष्ट्र अराधन

सर्वोदय कन्या विद्यालय, समालखा की बालिकाएं राष्ट्र अराधन प्रस्तुत कर रही हैं। इस गीत का संदेश यह है कि हम भारतीयों को हर समय अपने मन, वचन और कर्म से अपनी मातृभूमि की वंदना करनी चाहिए और इतिहास से शिक्षा लेते हुए एक नए और बेहतर राष्ट्र का निर्माण करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति, जिसके हृदय में मां भारती बसी है, देश की एकता और अखंडता तथा समृद्धि चाहता है। इस स्तुति गीत में यही भाव प्रकट हो रहा है।

विश्वम् सुशोभितम्

प्रकृति माता ने निःस्वार्थ भाव से अनेक वस्तुएं प्रदान की हैं तथा मानवता को अपने निःस्वार्थ प्यार तथा वात्सल्य से सराबोर किया है। प्रकृति ने मानवता को अपनी विशिष्ट काव्यात्मक अभिव्यक्ति में अनेक प्रकार से खुशी प्रदान की है जैसे कोयल की कूजन, मधु मक्खियों की भिनभिनाहट, मोरों का नृत्य, मनोहारी पर्वत, सुंदर खिलते हुए पुष्प, हरे-भरे जंगल आदि। प्रकृति सतत् रूप से मानवता को चेतावनी देती रही है कि प्रगति का मतलब प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करके स्वयं को नष्ट कर लेना नहीं है। रानी दुर्गावती सर्वोदय विद्यालय, किदवाई नगर, नई दिल्ली के छात्रों ने इसी भाव को चित्रित किया है।

रंग वर्षा

भारत हमेशा एकता में विश्वास करता रहा है। यहां मनाए जाने वाले सभी त्योहारों का संदेश भी यही है। रंगों के त्योहार- 'होली' के पीछे भी यही भावना है। पौराणिक उदगम् लिए होली किसी न किसी रूप में समस्त भारत वर्ष में वसंत के आगमन पर मार्च माह में मनाई जाती है। चटख रंगों से एक दूसरे को सराबोर करने की परंपरा प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए शुरू की गई होगी तथा यह वसंत ऋतु के दौरान प्रकृति में प्रचुरता से फैले विभिन्न रंगों को प्रतिबिंबित करती है। होली के रंग प्यार, भाई-चारा तथा राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हैं। क्वीन मेरी स्कूल, तीस हजारी, दिल्ली के छात्रों द्वारा संगीत तथा नृत्य के माध्यम से यही संदेश फैलाया जा रहा है।

Unity in Diversity

Unity in diversity is not just a slogan but also a way of life in India. We live in different regions, follow different faiths, speak different languages and yet through our fairs, festivals, rites and rituals that we celebrate together, we convey our message loud and clear- we love our India. The students of Ryan International School, Kondli present the theme of unity in diversity through their presentation.

Rashtra Aradhan

The girl students of Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Samalaka present Rashtra Aradhan. Prayer of Maa Bharti is done in this Prayan song. Message of the song is that, We Indians at every stage of life with core of our heart, promise and deed should pray our Mother Land and should take lessons from the history to build a new and better nation. Everybody, in whose heart lives Maa Bharti, wants the unity & integrity and the prosperity of the Nation. The same emotions find expression in this devotional song.

Viswam Sushobhitam

Mother nature has given many things unselfishly and has showered mankind with her selfless love and affection. Nature in her exquisite poetic expression has offered happiness to mankind in more than one ways: warble by the cuckoos, buzz by the bees, the dance of the peacocks, picturesque mountains, beautiful blossoming flowers, lush green pastures etc. Nature has been constantly warning the mankind that progress does not mean to destroy the natural resources and thereby destroying itself. The students of Rani Durgawati Sarvodaya Vidyalaya, Kidwai Nagar, New Delhi present this theme.

Rang Varsha

India has always believed in oneness, which is the message of all the festivals celebrated here. This is the spirit behind the festival of colors - 'Holi'. Having mythological origin, Holi is celebrated all over India in one form or the other in the month of March coinciding with spring. The tradition of splashing one another with vibrant colours would have started just to express the feeling of joy and reflect myriad colours profusely splashed all over Nature during the spring. The colours of Holi give the message of love, brotherhood and national unity. This is the message being spread through music and dance by the students of Queen Mary's School, Tis Hazari, Delhi.

चेराव

‘चेराव’ मिजोरम वासियों का सबसे रंगारंग, विशिष्ट और तालबद्ध नृत्य है। वेणु इस नृत्य का अभिन्न अंग है, इसलिए इस नृत्य को ‘वेणु नृत्य’ भी कहा जाता है। प्रकृति की गति-विधि के अनुरूप पक्षियों के व्यवहार, वृक्षों के डोलने आदि के आधार पर इसकी गति, पैटर्न तथा चाल में बहुत-सी भिन्नताएं हैं। चेराव एक कुशल तथा सजग मस्तिष्क का नृत्य है। यह नृत्य पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, आइजोल द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

मेर रास

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा एक प्रसिद्ध लोक-नृत्य ‘मेर रास’ प्रस्तुत किया जा रहा है जिसे नवरात्रि त्यौहार के दौरान बड़े पैमाने पर किया जाता है। रास का संबंध भगवान कृष्ण की परंपरा से है, जो रास को वृंदावन से गुजरात लाए। ‘मेर रास’ विशेष रूप से राजपूत समुदाय द्वारा किया जाता है, जिसे मनियारा रास भी कहा जाता है। नर्तक हाथ में डांडिया नामक लकड़ी की छड़ी लेकर घेरा बनाकर ढोल, सरनाई और झांझ की थाप पर नृत्य करते हैं।

ग्रामीण बेटा की अभिलाषा

इतिहास गवाह है कि जब भी महिला को सशक्त किया गया है अथवा उसे उचित अवसर मिला है तो उसने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है तथा वह देवी दुर्गा, झांसी की रानी, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, कल्पना चावला आदि बनी हैं। समय की यह मांग है कि महिला को शिक्षा प्रदान की जाए तथा उसे और अधिक अधिकार दिए जाएं ताकि घरेलू कार्यों से ऊपर उठकर वह अपनी योग्यता सिद्ध कर सके। गांधी जी ने ठीक ही कहा था “यदि नारी शिक्षित है तो पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है।” रेनबो इंग्लिश स्कूल, जनकपुरी, नई दिल्ली के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत, इस ग्रामीण बाला की अभिलाषा में इसी वचन, विश्वास तथा दृढ़निश्चय को चित्रित किया गया है।

पूर्वोत्तर दृश्यावली

भारत एक विशाल देश है जिसमें विभिन्न प्रकार की वनस्पतियां और जीव-जन्तु, बहु-भाषी लोग, जनजातियां और धर्म विद्यमान हैं। ये सभी हमारे देश को सांस्कृतिक विविधता प्रदान करते हैं। हमारे जनजातीय लोगों के पास बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने का अनूठा तरीका है। पूर्वोत्तर की स्थानीय पोशाकें पहने लड़कियां प्रार्थना, स्नान, शिकार की स्थानीय जनजातीय पद्धति तथा सामुदायिक नृत्य की प्रसन्नता का चित्रण करती हैं। लेडी इर्विन स्कूल, के.जी.मार्ग, नई दिल्ली की छात्राएं इसी तरह का जनजातीय नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं।

Cheraw

‘Cheraw’, is the most colorful, distinctive and rhythmic dance form of the Mizos. Bamboos are integral part of this dance – so much so that the dance is also popularly called as ‘Bamboo Dance’. There are many variations in the pattern and steps, imitation of the movement of birds, the swaying of trees and so on in conformity to the movement of nature. Cheraw is a dance of skill and alert minds. The dance is being presented by the North East Zonal Cultural Center, Aizwal.

Mer Ras

West Zone Cultural Center, Udaipur presents **Mer Ras**, a popular folk dance form of Gujarat, which is widely performed during Navratri festival. Ras has its roots in Lord Krishna’s tradition, who brought Ras from Vrindavan to Gujarat. Particularly, the Mer Ras is performed by the Rajput community and also known as Maniara Ras. The dancers dance in a circle with wooden sticks called Dandia in their hands and dance to the beat of Dhol, Sarnai and Jhanjh.

Gramin Beti Ki Abhilasha

History is witness; whenever woman has been empowered or got right opportunity, she has proved her worth and became Goddess Durga, Jhansi Ki Rani, Mother Teresa, Indira Gandhi, Kalpana Chawala etc. The need of the hour is to impart education to the woman and to empower the woman so that she can prove her worth beyond the chores of household life. Gandhiji has rightly said, “If a female is educated, the whole family gets educated”. This oath, faith and determination is highlighted in this village girl’s longing presented by students of Rainbow English School, Janakpuri, New Delhi.

North East Panorama

India is a vast country having varied flora & fauna, multi-lingual people, different-tribes & religions, which contribute to the cultural diversity of our country. Our tribal people have a unique way of preserving their cultural heritage while keeping in harmony with the ever-changing world. Girls dressed in typical northeastern costumes depict the typical tribal manner of praying, bathing, hunting and the joys of community dancing. Students of Lady Irwin School, K.G. Marg, New Delhi present one such tribal dance.

दिव्य ज्योति

‘दिव्य ज्योति’ युवाशक्ति मॉडल स्कूल, रोहिणी, दिल्ली की प्रस्तुति है। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से छात्र न केवल देश में ही बल्कि सम्पूर्ण विश्व में भाई-चारा, साम्प्रदायिक सदभाव, मैत्री तथा शांति का संदेश फैलाना चाहते हैं। वे सर्वशक्तिमान से प्रार्थना करते हैं कि विश्व में शांति, प्रेम व सदभावना हो न कि युद्ध, घृणा तथा खून-खराबा। ये बच्चे अपने देश के लिए जीवन बलिदान करने वाले शहीदों को भी श्रद्धांजली प्रस्तुत कर रहे हैं।

कोली नृत्य

महाराष्ट्र का कोली नृत्य अति गर्मजोशी से भरपूर रंग बिरंगी लोक कलाओं में से एक है। कोली लोग महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले मछुआरे हैं। मछली पकड़ने के लिए जाने से पहले कोली लोग अपनी देवियों-इकाविरा देवी और खांडोबा को मानने के लिए नृत्य करते हैं। वे विभिन्न पारम्परिक वाद्य-यंत्रों और गीतों के साथ नृत्य करते हैं। विवाह सामुदायिक नृत्य के लिए अति उपयुक्त अवसर है। रंग-बिरंगी पोशाकों में कोली लोग अपनी अद्वितीय शैली में ‘विवाह नृत्य’ करते हैं। ‘कोली नृत्य’ दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

Divya Jyoti

The composition of Yuvashakti Model School, Rohini, Delhi is ‘**Divya Jyoti**’ (Divine Light). Through their presentation, the students want to spread the message of brotherhood, communal harmony, friendship and peace not only in this country but also in the whole world. They pray to the almighty for prosperity, love & harmony and not war, hatred and blood and the world should live in peace. The children also pay their homage to the martyrs who laid their lives for the country.

Koli Nritya

Koli dance of Maharashtra is one of the most vibrant and colorful folk art forms. Kolis are the fisher-folk of Maharashtra’s coastal belt. Before going off on a fishing expedition, the Kolis perform the dance to propitiate their deities- Ekavira Devi and Khandoba. They dance to the accompaniment of variety of traditional instruments & songs. A wedding is, of course, the most suitable occasion for community dancing. Gaily dressed Kolis dance the ‘vivah nritya’ (marriage dance) in their own inimitable fashion. **Koli Nritya (Koli dance)** is being presented by the South Central Zone Cultural Center, Nagpur.